हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 3 मार्च 2025

11 25 लाख की लागत से एक एकड़ जमीन पर बनवाया...

11 न्यूरोथेरेपी शिविर में 150 मरीजों की निःशुल्क जांच

खबर संक्षेप

रास्ता रोककर मारपीट करने में पांच पर केस

मंडी अटेली। अटेली मंडी में रास्ता रोककर मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने पांच नामजद पर मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार मण्डी अटेली निवासी राहुल गोयल ने बताया कि वह शनिवार को सायं उसके साथियों के साथ नारनौल से अटेली आ रहे था। जब वह नई अनाज मण्डी बस स्टैण्ड के पास पहुंचा, तब हमारी गाड़ी के सामने एक और गाड़ी लगाकर उनको रोक लिया। उस गाड़ी को ड्राइवर दीपक जांगिड़ गाडी चला रहा था। उसके साथ में विकास यादव, जगमोहन डालमिया व अन्य लोग जोशराब के नशे में थे।

दो घरों में लगाई सेंध जेवरात व नकदी चोरी

महेंद्रगढ़। गांव गागड़वास में अज्ञात चोर दो घरों से सेंधमारी लगाकर जेवरात व नकदी चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव गागड़वास निवासी सत्यपाल सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ 25 फरवरी को शिवमहापुराण मध्यप्रदेश के गांव सिहोर में कथा सुनने के लिए गया था। एक मार्च को उसके छोटे भाई ओमकार का फोन आया कि मकान खुले पड़े हैं।

फर्जी नंबर प्लेट के साथ युवक पकड़ा

नारनौल। चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर प्रयोग कर रहे एक आरोपित को थाना सदर पुलिस ने वाहन चैकिंग के दौरान पकड़ा है। थाना सदर पुलिस मेला ड्यूटी के दौरान बाछौद मौजूद थी और वाहन चैकिंग कर रही थी। इस दौरान टीम ने एक बाइक चालक को चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट के साथ पकड़ा। जिसकी पहचान रोहित वासी मिर्जापुर के रूप में हुई। आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने वाहन चैकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल को चेक किया गया।

अवैध हथियार के साथ आरोपित पकड़ा

नारनौल। सीआईए पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में गश्त के दौरान गहली क्षेत्र से एक आरोपित निर्देश वासी हमीदपुर को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित से पुलिस ने एक अवैध देसी पिस्टल और एक जिन्दा कारतूस बरामद किया है। आरोपित से पूछताछ कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए पुलिस गश्त के दौरान रधुनाथपुरा मौजूद थी। टीम को गुप्त सूचना मिली कि निर्देश वासी हमीदपुर के पास अवैध हथियार है, जो गांव गहली चौक के नजदीक कोटड़े के पास बैठा है। अगर तुरंत रेड की जाए तो अवैध हथियार सहित काबू किया जा सकता है। सूचना के आधार पर रेडिंग पार्टी तैयार कर उक्त स्थान के नजदीक पहुंचे तो वहां पर एक युवक बैठा दिखाई दिया।

धोखाधड़ी कर खाते से 69 हजार रुपये निकाले

मंडी अटेली। अटेली मंडी के एक युवक के साथ धोखाधड़ी कर खाते से 69 हजार रुपये निकालने का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यक्ति ने जिसकी शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत में मण्डी अटेली निवासी योगेश ने बताया कि वह निजी स्कूल कुंड में कार्य करता है। पिछले वर्ष छह दिसंबर को समय सायं साढ़े चार बजे उसके पास फोन आया कि उसकी लिमिट पूरी हो गई है। फोन पर उसको बताया कि उसके पास पहले सौ रुपये का मैसेज भेजा फिर 10 हजार रुपये का मैसेज भेजा। उसके बाद उन्होंने उसके पास और 50 हजार रुपये का मैसेज किया।

मंडी अटेली। अपना पहचान पत्र दिखाती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते डीसी डा. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। पत्नी संग वोट डालने के बाद अंगूली पर स्याही दिखाते हुए।

चुनाव की सुरक्षा व्यवस्था में दिनभर डटे रहे अधिकारी

अटेली में पांच चैयरमेन व 35 पार्षद प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम मशीन में बंद, दस दिन तक लगेगा हारजीत का गणित

कनीना में 85.8 प्रतिशत हुआ मतदान

दलीप सिंह ▶▶| कनीना

नगर पालिका चुनाव सुबह सात मॉकपोल के बाद आठ बजे से सुरक्षा की बीच शांतिपूर्वक मतदान शुरू हुआ, जो दिन बढ़ने के साथ बढ़ता गया। कनीना के 14 वार्डों के लिए 14 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जहां सात महिला चेयरपर्सन व 41 वार्ड पार्षद प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदान केंद्रों पर चुनाव अधिकारी एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत, एआरओ नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल, डीएसपी दिनेश कुमार सहित फ्लाइंग टीमें नजरें बनाए हुए थी।

संवेदनशील वार्ड नौ व 13 पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा कर्मियों की ओर से पहचान पत्र व मत पर्ची वाले मतदाताओं को अंदर जाने दिया जा रहा था। मतदाताओं में उत्साह के चलते दोपहर एक बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर 50 फीसदी मतदान हो चुका था। वार्ड नम्बर एक में सबसे कम 648 मतदाता हैं, जिसमें 565 ने मतदान किया। इसी प्रकार मतदान केंद्र दो में सर्वाधिक 877 मतदाता हैं, जिसमें से 727 ने मतदान किया। बूथ तीन में में 869 मतदाताओं में से 736 मतदान, चार में 658 में से 580, बूथ पांच में 794 में से 695, बूथ छह में 687 में से मतदाता 577, सात में 796 में से 684, आठ में में 798 में से 676, नौ में 727 में से 626, बूथ 10 में 664 में से 591, बूथ 11 में 663 में से 573, बूथ 12 में 813 मतदाता में से 703, बूथ 13 में 770 में से 651 व बूथ नंबर 14 में 649 मतदाताओं में से 551 ने मतदान किया। इस प्रकार कुल 10413 मतदाताओं में से 8935 ने मतदान किया। कुल 85.8 प्रतिशत ने मतदान किया। नपा चुनाव के लिए राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कंटोल व स्टांग रूम स्थापित किया गया। जहां मतदान होने के बाद ईवीएम जमा कराई गई। वहीं 12 मार्च को मतगणना की जाएगी।

कनीना। मतदान केंद्र पहुंचे डीसी डा. विवेक भारती व एसपी पूजा वशिष्ठ।

वरिष्ठ नागरिक को मतदान केंद्र ले जाते।

व्हीलचेयर पर वोट डालने जाती वृद्धा।

मंडी अटेली। वोट डालने मतदान केंद्र जाती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

सीनियर सीटीजन मतदान करने में नहीं रहे पीछे

वार्ड नम्बर 11 में 83 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक धर्मचंद ने अपने पुत्रों के साथ मतदान किया, जो स्वयं चलकर जाने में असमर्थ थे। मतदान उत्सव में उन्होंने हिस्सा लेकर अन्य मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरणा दी। इसी प्रकार वार्ड दो निवासी 95 वर्षीय रामा देवी अपने पुत्र के साथ मतदान केंद्र पहुंची और लोकतंत्र की मजबूती के मतदान किया। कुछ मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें लग गई।

यह बोले अधिकारी

कनीना के एसडीएम नगर पालिका चुनाव अधिकारी डॉक्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ की 14 मतदान केंद्रो पर शांतिपूर्वक चुनाव रहा किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई इसके लिए नगर वासी बधाई के पात्र हैं।

कनीना में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ की ओर से की गई चाक चौबंद व्यवस्थाओं के चलते जिले की अटेली तथा कनीना नगर पालिका में रविवार को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। उपायुक्त डा. विवेक भारती दिनभर अटेली व कनीना के मतदान केंद्रों के दौरे पर रहे तथा मतदान का जायजा लेते रहे। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी पूरे दिन मतदान केंद्रों के औचक निरीक्षण पर रही। सभी जगह पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। डीसी सबसे पहले मतदान का जायजा लेने के लिए अटेली के मतदान केंद्रों पर पहुंचे। यहां पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो रहा था। इसके बाद उपायुक्त सीधे कनीना पहुंचे। वहां भी उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों में पहुंचकर मतदान का जायजा लिया।

रेडक्रॉस की ओर से व्हीलचेयर की व्यवस्था

उपायुक्त डा. विवेक भारती के दिशा निर्देशन पर अटेली व कनीना के सभी मतदान केंद्रों पर जिला रेडक्रॉस समिति की ओर से दिव्यांग जनों को केंद्र तक पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। सभी केंद्रों पर रेडक्रॉस के वालंटियर व्हीलचेयर के साथ मौजूद रहे तथा दिव्यांगजनों को मतदान केंद्र तक पहुंचने में सहायता करते दिखे। व्यवस्थाओं को देखते हुए दिव्यांगजनों में भी मतदान के प्रति पूरा जोश दिखाई दिया। डीसी ने खुद कई दिव्यांगजनों के साथ बातचीत भी की।

अटेली में कुल वोट 6332 में से 4722 वोट पड़े, अब परिणाम के लिए 10 दिन का इंतजार करना पड़ेगा

35 मंडी अटेली। नगर पालिका चुनाव में मतदान केंद्र का दौरा करती एसपी

36 मंडी अटेली। मतदान केंद्र का दौरा करने पहुंचे डीसी डा. विवेक भारती।

अटेली में शांतिपूर्ण हुआ मतदान, 74.60 प्रतिशत रहा मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली नगर पालिका का आम चुनाव शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हो गया। मतदान प्रक्रिया सुबह आठ बजे से सायं 6 बजे तक चली। इस परिणाम के लिए अब 10 दिन का इंतजार करना पड़ेगा तथा 12 मार्च को यह परिणाम जारी होगा। सभी मतदान केंद्रों पर भारी पुलिस बल तैनात था। प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा के प्रबंध किए हुए थे। मतदान केंद्रों में पूरा दिन पुलिस का कड़ा पहरा रहा। अटेली के बस स्टैंड व मेन बाजार में जाने वाले रास्ते पर पुलिस ने बैरिकेट्स लगाकर वाहनों को चेक किया। 12 वार्डों के कुल 6332 वोट हैं। सुबह-सुबह मतदान केंद्रों पर जिला उपायुक्त विवेक भारती, जिला पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, चुनाव ऑब्जर्वर, रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम रमित कुमार, सीटीएम मंजीत सिंह, तहसीलदार संजीव नागर व दूसरे अधिकारियों से जानकारी लेकर मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर जरूरी आदेश दिए। पूरे दिन मतदान केंद्रों के बाहर लोगों का जमावड़े के साथ काफी गहमा-गहमी रही। मतदान शांतिपूर्वक, निष्पक्ष व भय रहित करवाने के लिए सभी मतदान केंद्र पर एक मतदान केंद्र पर बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात रहे। थाना प्रभारी रतन सिंह ने बताया कि बताया कि पुलिस ने कस्बे में पुलिस ने कस्बे में व्यापक पुलिस का चाक-चौबंद किया हुआ था। पुलिस ने मतदान केंद्रों में मुस्तैद रही। मतदाताओं को किसी प्रकार लोभ-लालच व शराब आदि से प्रभावित न करे। इसके लिए पुलिस ने विशेष गश्त रही। चुनाव में बड़ी संख्या में महिलाओं ने चुनाव की इस प्रक्रिया में पर चढ़कर भाग लिया। सभी के मतदाता बड़ी संख्या में घरों से बाहर निकलकर मतदान किया। यहां युवा मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला, जिस कारण सुबह सुबह लंबी-लंबी लाइनों लगकर मतदान किया। वहीं पहली बार मतदान कर रहे युवाओं में उत्साह देखने को मिला। दोपहर दो बजे बाद सभी मतदान केंद्रों पर भीड़ छंटने लगी थी। बूथ नंबर एक पर दोपहर लगभग सवा 12 बजे अंदर बैठे अधिकारियों ने बीच में ही भोजन किया, जिससे मतदाताओं को 10 मिनट तक मतदान करने के लिए इंतजार करना पड़ा।

मंडी अटेली। व्हील चेयर पर मतदान करने पहुंची महिला। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। नगर पालिका चुनाव में व्हीलचेयर के इंतजार में खड़े हुए।

मंडी अटेली। अपना वोटर कार्ड दिखाती मतदान करने पहुंची महिलाएं।

पत्रकारों को कवरेज से रोका

नपा चुनाव के मतदान केन्द्रों पर कवरेज करने के पुलिस प्रशासन ने पत्रकारों को रोका तथा मोबाइल फोन को भी नहीं ले जाने दिया। जबकि पुलिस कर्मियों के पास फोन मौजूद रहे। पत्रकारों को मतदान की कवरेज करने पर परेशानी उठानी पड़ी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष यतेंद्र राव ने अटेली नगरपालिका चुनाव में वार्ड नंबर 12 में मतदान किया। यतेंद्र ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की नींव है, जो अधिकार भारत के नागरिक को संविधान ने दिया है। हमें इस ताकत का इस्तेमाल करके मतदान के इस पर्व को मनाना चाहिए व अच्छे प्रतिनिधि को चुनना चाहिए।

अटेली नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव समेत 5 के विरूद्ध मामला दर्ज

- चुनाव के एक दिन पहले की घटना को लेकर अटेली कस्बे में खासी चर्चा हो रही है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

थाना पुलिस ने अटेली नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव व उसके चालक समेत पांच के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। चुनाव के एक दिन पहले की घटना को लेकर अटेली कस्बे में खासी चर्चा हो रही है। रास्ते में रोक कर मारपीट करना व जान से मारने की धमकी देने की शिकायत पर अटेली पुलिस ने मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। अटेली कस्बावासी राहुल गोयल ने बताया कि वह सायं नारनौल से अटेली आ रहा था। रास्ते मे नई अनाज मंडी बस स्टैंड के पास हमारी गाड़ी को एक ईनोवा गाड़ी के आगे लगाकर हमारी गाड़ी को रोक लिया। उसमें से ड्राईवर दीपक जांगिड़ जो गाड़ी चला रहा था, गाड़ी से उतार दिया तथा उसके साथ हाथापाई करने लगा। साथ ही गाड़ी में बैठे पूर्व चेयरमैन विकास यादव, जगमोहन व अन्य जो कि शराब के नशे में थे, उतर कर उसकी गाड़ी को लाठी से चोट मारी व हमें मारने पीटने लग गए और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उपरोक्त लोगों की दूसरी गाड़ी में अरविन्द गोयल व उसका लड़का जितेन्द्र गोयल ने उतर कर फिर मारने लग गए और कहा कि अपने घर चले जाओ वरना अंजाम बुरा होगा। इसी बीच राह चलते लोगों ने उन्हें बचाया, जिससे हम अपने घर आ गए। इन शराबी तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए व इनका मेडिकल टैस्ट करवाया जाए। अटेली पुलिस ने विकास यादव, दीपक जांगिड़, जगमोहन, अरविंद व जितेंद्र के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं नपा के चेयरमैन विकास यादव ने कहा कि वह उस दिन मंडी की तरफ जा रहा था। रास्ते में रोक उन लोगों ने उसके अलावा गाड़ी में बैठ साथियों के साथ अभद्र व्यवहार किया।

मारपीट पीए गोविंद गोस्वामी से मारपीट के कारणों का नहीं हुआ खुलासा

कनीना के चुनाव को लेकर शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो पर शिकायत

फॉलोअप: स्वास्थ्य मंत्री के पीए से मारपीट करने वाला जमानत पर रिहा

- पुलिस ने झगड़े के अंदेशे से कस्टडी में रखने के बाद रविवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

नगर पालिका कनीना के चुनाव को लेकर शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो पर शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने संज्ञान लेते हुए एक व्यक्ति को राउंडअप किया था। इसके बाद पुलिस ने झगड़े के अंदेशे से कस्टडी में रखने के बाद रविवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। दूसरी ओर मारपीट के सही कारणों का मालुम नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि वीडियो में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की बेटी हरियाणा कैबिनेट में मंत्री आरती सिंह राव के पीए गोविंद गोस्वामी को कनीना नपा चेयरमैन प्रत्याशी के पति अशोक कुमार ने आक्रोश में आकर उसे भलाबुरा कहते हुए थप्पड़ जड़ दिया था। जिसके रि-एक्शन में वहां मौजूद एक वरिष्ठ नागरिक ने अशोक कुमार को थप्पड़ मार दिया। विवाद बढ़ता देखकर अन्य कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दिया। इस घटना का वीडिओ कुछ ही देर में जंगल में आग की भांति वायरल हो गया था। पीड़ित व्यक्ति ने इसे बारे में शहर थाना पुलिस को शिकायत दी। जिस पर आरोपित व्यक्ति के खिलाफ पाबंध की धारा का कलंदरा देकर राउंडअप कर लिया। राजनीतिक गलियारों में इसके अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो केंद्रीय मंत्री व प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री के संज्ञान में आ गया है। पुलिस ने रविवार सुबह आरोपित को न्यायालय में पेश किया। जहां उसे जमानत पर रिहा किया गया। इसके बाद उन्होंने मतदान केंद्रों पर जाकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा।

कनीना। 2 मार्च को हरिभूमि में प्रकाशित समाचार।

कनीना। वायरल वीडियो में गोविंद गोस्वामी को थप्पड़ जड़ते अशोक कुमार। फोटो : हरिभूमि

थप्पड़ मारने का वीडियो हुआ था वायरल

बता दें कि कनीना से नगर पालिका के प्रधान पद का चुनाव लड़ रही सविता देवी पत्नी अशोक कुमार पूर्व नगर पालिका उप प्रधान का एक व्यक्ति के साथ मारपीट करते हुए वीडियो वायरल हुआ था। पिटने वाला व्यक्ति स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का पीए बताया गया। वीडियो में वह कह रहा है कि मुझे छोड़ दो वह आपसे बदतमीजी नहीं कर रहा है। आप कर्णसिंह व बहन जी से बात करो। वह उनके आदेश का पालन कर रहा है, आप मुझसे बदतमीजी ना करो। वहीं अशोक बोल रहा है मैं नेता बनाऊं तनै, उसने कहा मैं नेता नहीं हूं। फिर वह बोल रह है कि पीए था नेता नहीं। इसके बाद उसने उसको थप्पड़ मारा। वहीं वहां पर एक व्यक्ति और खड़ा था, उसने अशोक को एक थप्पड़ मारा। फिर अशोक ने कहा वह उम्र की लिहाज कर रहा है आपकी। उस व्यक्ति ने कहा वह हाथ कैसे उठा रहा है। इसके बाद उस व्यक्ति को दूसरा व्यक्ति वहां से दूर ले गया।

सफलता मन की शांति है, जो यह जानने में आत्म संतुष्टि का प्रत्यक्ष परिणाम है कि आपने सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास किया, जिसके लिए आप सक्षम हैं।

- जॉन वुडन

आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज रात नहीं सोएगी सलौनी

प तिदेव बच्चों सहित भानजे की शादी में भात लेकर गये हैं। घर में रमा अकेली है। शाम से ही दो-तीन पड़ोसनें बारी-बारी से आकर रात में अकेले न सोने की ताकीद करती हुई खुद या किसी बालक को उसके पास सुलाने का आग्रह कर गयी हैं। मगर वह हरेक को यही उत्तर देती - "अकेली कहां, सलौनी और उसके बच्चे हैं ना।"उसके उत्तर पर पड़ोसनें मुस्कुराती नजरों से उसे देखती हुई उचटती सी निगाह सलौनी पर डालकर हंसती हुई चली जाती। उनकी हंसी में हास्य और व्यंग्य दोनों का पुट शामिल होता, लेकिन रमा जानकर भी अनजान बन अपने काम में लग जाती। 'लोगों की आदत है।' मन ही मन यही दोहराती हुई।

शाम ढल चुकी थी। आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया। वह चुपचाप बैठी रही। रमा ने उसे बार-बार कहा, इशारे किये मगर सलौनी टस से मस न हुई।

फिर रमा ने रोटी उसके बिल्कुल सामने सरकायी लेकिन सलौनी पर अब भी कोई असर नहीं हुआ। हां, इस बीच पिलूरे रोटी खाकर गली का चक्कर लगाने चले गये। लेकिन सलौनी वहीं गर्दन मोड़कर पेट में मुंह दिये पड़ी रही। 'मूक कह भी तो नहीं सकती कि रोटी क्यों नहीं खा रही, काश! इसके जुबान होती?' सोचती हुई रमा ने सुबह की रखी रोटी बोहिये से उठायी और थोड़ी सी मलाई उस पर रखकर खाने लगी। इतने में क्या देखती है कि सलौनी के शरीर में हरकत हुई और वह इत्मिनान से रोटी खाने लगी। रमा का जी भर आया, इतना प्यार, इतनी परवाह तो इन्सान भी इन्सान के प्रति न रखे। घर के काम से निपटी तो सलौनी और उसके बच्चे गली की घुमाई कर आ चुके थे। रमा ने बाहरी दरवाजे पर ताला लगाया, इसके बाद आंगन में 'फर्राटा' लगाकर अपनी चारपाई बिछाई तथा दूसरी सलौनी और उसके बच्चों के लिये लगा दी।

सलौनी जैसे इसी के इंतजार में थी। वह उचककर खाट पर जा चढ़ी, उसके बच्चों ने भी उसका अनुसरण किया। सारे के सारे कूं, कूं करते हुए आराम से चारपाई पर लेट गये। रमा भी अपनी चारपाई पर लेटकर आसमान को ताकने लगी। उसे दिन में मिलने आयी शुभचिन्तक पड़ोसनों की व्यंग्य भरी नजरें याद आई, उसका मन विचलित हो गया, अकेलापन सताने लगा। मगर अगले ही पल सलौनी के साथ ने उसे अकेलेपन के अहसास से उबार लिया। मन सलौनी के प्रति ममता से भर उठा। उसने करवट ली और हाथ बढ़ाकर सलौनी को सहलाने लगी। सलौनी ने भी पूंछ हिलाकर उसकी ममता को स्वीकार किया। रमा सोचने लगी पड़ोसनों का क्या दोष!

पिछले दिनों जब मां आयी थी तो उन्हें भी सलौनी का पूरे घर में इस तरह बेरोक-टोक घूमना, सटकर बैठना, खाट पर सोना नागवार गुजरा था। तभी तो वे कह उठी थी-

"गाँव में आकर तेरा रहन-सहन भी बिल्कुल बेसुरा हो गया है। कोई कुत्तों को भी ऐसे..."

"माँ" माँ के बात पूरी करने से पहले ही वह मुस्कुराते हुए बोल पड़ी थी।

"....तुझे नहीं पता इनकी अहमियत, इनका प्यार इनका निश्छल व्यवहार मनुष्यों से भी अधिक अपनत्व भाव। पेट भरने को तो ये कहीं भी भर लें, इन्होंने कौनसा हम मानुसों की तरह जोड़-जुगाड़ करना है। ये बेचारे तो बिन झोली के मंगते हैं, जो किसी का प्यार भी उधार नहीं रखते। जरा से स्नेह का जो सिला इनसे मिलता है उसको कह पाना भी मेरे जैसी के बस की बात नहीं। पता है पिछले दिनों क्या हुआ- दिन ढले की बात है 'वे' आंगन में बैठे खाना खा रहे थे और मैं रसोई में रोटी बना रही थी। तभी सलौनी उस कमरे की ओर देख-देख कर जोर-जोर से भौंकने लगी।" रमा ने भैंस के साथ वाले कमरे की ओर इशारा किया जिसका उपयोग वे स्टोर की भांति करते हैं। "मैंने इसे चुप होने को कहा, मगर यह चुप नहीं हुई। इसे लगातार भौंकते देख मैंने इन्हें कहा कि 'देखियो, सलौनी उधर भैंस के साथ वाले कमरे की तरफ देख-देख कर क्यूं एक सांस भौंके जा रही है।" ये चिन्तित हो बोले- "जरूर कोई कीड़ा-कांटा होगा, वरना ये इस तरह...." और इन्होंने रोटी बीच में ही छोड़कर लाठी उठाकर वहां रखा सामान टटोला तो पता है वहां क्या मिला...?"

"क्या... ?" माँ उसे हैरानी से ताकने लगी। "वहाँ रखे उसे गत्ते के बड़े डिब्बे में चार हाथ लम्बी नागिन बैठी थी। कोई भी दुर्घटना घट सकती थी माँ। जंगल के जीव जंगल में तो स्वछंद घूम सकते हैं। घर में तो बच्चे, हम दोनों, भैंस, गाय या कोई आया-गया, किसी के भी साथ...।" कहते-कहते रमा सिहर गयी थी।

"...इन्होंने सरगोशी की 'देख ये बैठी।' मैंने दौड़कर पास-पड़ोस से लोगों को बुलाया। तब कहीं जाकर उसका अन्त हुआ। सलौनी न होती तो हमें क्या पता चलता कि हमारे घर में हमारी मौत छुपी है।" कहते हुए रमा ने पास बैठी सलौनी का चेहरा प्यार से हाथों में लेकर अपने चेहरे से सटा लिया। जैसे बहुत प्यार आने पर माँ अपनी संतान के लाड लड़ाती है। सलौनी भी इस इत्मिनान से पूंछ हिला रही थी, जैसे बौराया बच्चा मां की गोद में पसरकर पैर हिलाता है।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो। सलौनी की इस हरकत से वे भी भावविभोर हो उठी। रमा को याद आया जब काका (ससुर) का देहान्त हुआ तो सलौनी शवयात्रा में इन्सानों की तरह ही शामिल हुई, शमशान तक साथ गयी। दाह संस्कार के बाद जब सब घर लौट आये ये वहीं रुकी रही और सांझ ढले तभी घर लौटी, जब चिता की अग्नि बिल्कुल राख में बदल चुकी थी। पूरा दिन ये बेचारी भी हम लोगों के साथ-साथ बिना अन्न जल ग्रहण किये रही, अन्यथा जानवर तो कहीं भी जाकर मुंह मार आये।

अभी पिछले महीने की तो बात है, भाई की बीमारी पर उसे एक सप्ताह के लिये पीहर रुकना पड़ा। वापस आयी तो सलौनी उसकी आहट पाकर गेट पर ही पहुंच गयी और उसके सामान रखने से पहले ही पिछले पैरों पर खड़ी होकर अगले दोनों पैर उसकी छाती पर रखकर ऐसे मिली जैसे बहुत दिनों से बिछुड़ी बेटी मां से गले मिलने को तड़प रही हो।

ऐसे अवसर पर उसे लगता है 'काश। सलौनी भी अपने दिल की बात कह पाती।' यह तो रोज का ही नियम है कि वह जब भी घर से बाहर जाती है सलौनी साथ जाती है। आसपास जाना हो तो ठीक है, खेतों में जाती है तो पीछे-पीछे चली आ रही सलौनी को कहना पड़ता है- "सलौनी, तू घर जा मैं खेत पर जा रही हूँ।" सुनते ही सलौनी आज्ञाकारी बच्चे की भांति घर लौट आती है।

रमा ने सलौनी की ओर करवट ली तो सलौनी ने झट से सिर उठाकर देखा। जाहिर है सलौनी जाग रही थी। रमा जानती है आज सलौनी रात भर सोयेगी नहीं।

वह हाथ बढ़ाकर सलौनी को दुलारने लगी तो सलौनी ने भी 'कूं, कूं' कर उसके स्नेह को अत्यन्त प्रेमभाव से स्वीकार किया।

'तुम्हारी वफादारी, चौकसी और प्यार का प्रतिदान हमसे कहां सम्भव है सलौनी?'

यही सोचते हुए रमा को नींद आ गयी। मगर सलौनी को आज की रात नींद कहां, वह बिल्कुल नहीं सोयेगी, मालिक और उसके युवा बेटों की अनुपस्थिति में उसकी मालकिन निश्चिन्त होकर सो सके, इसीलिए।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो।

लघुकथा

डा. रमाकांता

इंसाफ

रलदू, ओ रलदू, बाहर निकल। दरवाजे से किसी दबंग ने रलदू को ललकारा।

रलदू जान गया कि चौधरी ने जगह खाली करवाने के लिए अपना गुर्गा भेजा है। वह डरता-डरता बाहर आया और उस व्यक्ति को पहचान कर बोला- 'मालिक, बस दो दिन की मोहलत दे दो। कल मेरी बेटी की शादी है। रिश्तेदार परसों चले जाएंगे, मैं जगह खाली कर दूंगा।'

'कान खोल कर सुन ले, परसों फिर आऊंगा। जगह खाली ना मिली तो यहीं तेरे परिवार की कब्र खोद दूंगा समझ गया!' वह धमकी देकर तमतमाता हुआ वहां से चला गया।

दिन छिपते ही बस्ती में अजीब सा शोर सुनाई देने लगा। रलदू का बेटा रशीद घर से बाहर गया और थोड़ी ही देर में तेज़ कदमों से घर में आकर कुछ चिल्लाते हुए उसने अपने अब्बा को आवाज दी- 'अब्बू कहाँ हो? खेल खत्म अब्बू।'

अब्बू ने घबरा कर दबी जुबान से पूछा- 'क्या हुआ?'

'अब्बू मालिक खल्लास,' रशीद ने हाथ के इशारे से समझाया ।

'कैसे, और कब'? रलदू ने जिज्ञासावश पूछा।'

नामुराद को दिल का ऐसा दौरा पड़ा जमीन पर पड़ते ही चल बसा' -रशीद ने बताया।

रलदू की आंखों में आंसू आ गए। थोड़ी देर रुक कर बोला-'सुबह हमारी कब्र खुदवा रहा था। मालिक को क्या पता था कि रात होते-होते उस की ही कब्र के खोदने की तैयारी हो जाएगी।' कुछ सोच कर बोला 'बेटा उसके घर देर है पर अंधेर नहीं है।' रलदू ने ठंडी आह भरते हुए कहा ।

'अब्बू अल्लाह इंसाफ करता है। मालिक को गरीबों की बद्दुआ लगी है।' रशीद ने आकाश की ओर हाथ फैला कर कहा। बाप-बेटे के मुख पर संतोष का भाव झलक रहा था।

कविता

राजश्री

नफ़रतों की आग में

नफ़रतों की आग में ये बस्तियाँ जल जाएंगी।
फ़ूल, भौंरे, शाख़, पौधे, तितलियाँ जल जाएंगी।

मज़हबी ये आंधियाँ यूं ही अगर चलती रहीं,
दब गईं जो राख़ में चिंगारियाँ जल जाएंगी।

कुर्सी की खातिर लगा कर आग जो हैं सेकते,
उनके हाथों की भी तो सब उंगलियाँ जल जाएंगी।

जो मुहब्बत के दरीचे खुलते दिल के दरमियां,
आपसी उस प्यार की सब खिड़कियाँ जल जाएंगी।

क्यूं बढ़ाते नाम पर मज़हब के ये रुसवाइयाँ ,
आदमी रह जाएगा परछाइयाँ जल जाएंगी।

क़त्ल करके अम्न का यूं एक दिन पछताओगे,
चाहतें मिट जाएंगी नजदीकियाँ जल जाएंगी।

फिर मुहब्बत के चरागों को यहां रौशन करो,
जो दिलों में बढ़ गईं वो तल्खियाँ जल जाएंगी।

कविता

कवि पंडित वीरेंद्र मधुर

नई पहल

तारे निकल रहे थे,
सपने उछल रहे थे।

बीमारियों का नाटक,
वे मुखौटे बदल रहे थे।

धन की आग एसी,
पत्थर पिघल रहे थे।

झूठे फसल के दाने,
हथेली मसल रहे थे।

आंदोलन में बैठे बैठे,
उनको भी खल रहे थे।

मधुर सोने वाले सिक्के,
तिजोरी में पल रहे थे।।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

मधुमास आ गया

सरसों के पीले फूल,
खेतों में दिखाई देते हैं।
लगता है मधुमास आ गया
राग-ए-वसंत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

ये मौसम हैं हरियाली का,
उमंग और श्रृंगार का,
प्रकृति अपने यौवन के साथ है,
सब संगीतमय होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सरसों, राई और गेहूं के खेत
मन को लुभाने लगते हैं
देखकर फसलों को किसान
गद-गद होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

जाती हुई सर्दियाँ, बड़े होते दिन
गुन गुनी धूप तेज होती है
अम्बर में उड़ते हुए
पीले पतंग दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

देखकर खो जाते हैं
कुदरत के शबाब में सब
मुझे चारों ओर
गुल चाँदनी के फूल दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सुहाना मौसम, मंद सुरभित हवा
कोयल की कुक सुनाई देती है
मत वाला माहौल, मोहनी खूशबू
फाल्गुन के मदमस्त गीत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

आज के आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति पर डा. कंवल नयन कपूर का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी के साहित्य और संस्कृति के प्रति कम होती रुचि सामाजिक दृष्टि से चिंताजनक है, जिसका समाज पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जोड़े रखने के लिए साहित्यकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कलम चलाना आवश्यक है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और संस्कृति से मिलती है समाज को नई दिशा: डा. कंवल नयन

साहित्य और संस्कृति में सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बेबाक लेखन करने के मकसद से साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में साधना करके समाज में व्याप्त विसंगतियों को पाटने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शुमार वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर अपने रचना संसार में साहित्य के साथ सांसकृतिक क्षेत्र में भी अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। उन्होंने साहित्यिक कृति के शोध से ही पीएचडी की उपाधि हासिल की। अपने साहित्यिक और सांस्कृति क्षेत्र के सफर को लेकर वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें समाज साहित्य और संस्कृति से समाज को नई दिशा देना संभव है। साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर का जन्म 9 अगस्त 1944 को रावल पिंडी (पश्चिमी पाकिस्तान) के गांव जंड में नाथूराम व मीराबाई के घर में हुआ। भारत विभाजन के दौरान हिंसाओं की त्रासदी की कहानियों की गूंज में उनका बचपन बीता और अमृतसर, लुधियाना, कुरुक्षेत्र के विस्थापित कैम्पों ने उनके शिशु-मन को ऐसे छुआ कि अन्तर्मुखता, अकेलापन और एकान्त से स्थायी मित्रता हो गई। इसके बाद उनका पूरा परिवार 1949 में दिल्ली स्थानांतरित हो गया था, जहां उनके परिवार को स्थायी निवास मिला। दिल्ली में उन्होंने आई.ए.आर.आई. पूसा के सरकारी स्कूल से हायर सैकेण्डरी तक की शिक्षा ग्रहण की, गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज देवनगर और इवनिंग इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडिज, दिल्ली विश्व विद्यालय से हिन्दी में एम.ए. की शिक्षा ग्रहण की, लेकिन परिवार में आर्थिक अभाव निरंतर चलती रही। उन्होंने आगे की शिक्षा छोड़ यमुनानगर (हरियाणा) के एम.एल.एन. महाविद्यालय में प्राध्यापन कार्य आरंभ किया। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 'नई कहानी' विषय में शोध स्वरूप पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त की। अगस्त 2004 में इसी महाविद्यालय से विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति हुई। परिवारिक और शैक्षणिक संस्थाओं के माहौल ने उनमें साहित्यिक संस्कारों का बीजारोपण किया। जबकि घर में माता भगवान कृष्ण की भक्त होने के कारण भजन और गीत गुनगुनाती रहती थी, तो वहीं उनके बड़े भाई उन दिनों भजन और देवी की भेंटे लिखकर गाते थे। मसलन साहित्यिक रुझान उनका अपने घर परिवार से ही हुआ और वह भी बचपन से ही तुकबंदी करने लगे थे। उनका साहित्य एवं चित्र कला के प्रति शुरू से ही विशेष झुकाव रहा है। इसी कारण वह स्कूल-कॉलेज में मंचित कार्यक्रमों में गायन, नाटक आदि में निरन्तर प्रतिभागिता करते रहे। इनकी कविताएं-लेख आदि स्कूल कॉलेज पत्रिकाओं के अलावा बड़ी पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं छपती रही। बकौल डा. कमल नयन, वह अपने आप को कवि और नाटककार मानते हैं, यद्यपि मूर्तिकला, स्थापत्य कला, पेंटिंग व क्ले माडलिंग, इंटीरियर डेकोरेशन जैसी विधाओं में भी उन्होंने काम किया है। सन् 1965 से 1967 तक संचेतन कहानी की ध्वज वाहक पत्रिका 'संचेतना' से सहायक सम्पादक के रूप में काम किया और दिल्ली से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'जाह्नवी' में उनका किशोर उपन्यास 'भारत सम्राट' धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ। 1976 में पहला कविता संग्रह और 1978 में पहला 'लघु नाटक' संग्रह प्रकाशित हुआ। खासबात है कि इसी दौरान नाट्य मंचन, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, स्थापत्य कला आदि में भी उन्होंने बहुत काम किया गया, जिसमें मंच संचालन, संगीत आदि में उनकी विशेष रुचि रही। नाटक, कहानी, कविता, समीक्षा, निबन्ध लेखन में निरन्तर प्रवृत रहे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लिखित छोटे-बड़े नाटकों के चार सौ से अधिक मंचन हो चुके हैं, जिनमें पंजाबी, उर्दू आदि का अनुवादित रूप भी शामिल है। उनकी लम्बी कविता 'शिशु होकर' एवं 'धन्यवाद कान्हा' का मंचन साहित्य-जगत में विशेष चर्चित विषय रहा है। उनका कहना है कि यह सत्य है कि हर रचनाकार अपने रचनाकर्म में आजीवन संलग्न रहते हुए भी अपनी श्रेष्ठ रचना की प्रतीक्षा में ही प्रस्थान पा जाता है। लेकिन इस सोशल मीडिया और इंटरनेट के युग में बढ़ते बाजारीकरण ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. कंवल नयन कपूर की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से नाटकः यात्रा और यात्रा, कथा लंका दहन की, कथा लंका दहन की, जल घर, रक्त जीवी, आओ मेरे साथ,पंछी तीर्थम, शव पूजा, प्रकृति पर्व और छाया पुरुष जैसी कृतियां सुर्खियों में हैं। जबकि उपन्यासः भारत सम्राट, ठहरी हुई नदी, कविता संग्रहः बौणियां किरणां और उदास गुलमोहर, एक समन्दर मेरे अन्दर, किस्सा कमली दा,मूर्ख होने का सुख, शब्दों के पार, अजब कालखंड, संपत्ति और गीत-अगीत प्रकाशित हुई है।

डा. कंवल नयन कपूर

पुरस्कार व सम्मान

डा. कंवल नयन कपूर को उनकी कृति 'जल घर' के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी का सम्मान भी मिला है। वहीं उन्हें राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्त्राब्दी सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं साल 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भी सम्मान से अलंकृत किया। हरियाणा के भाषा विभाग, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इंडियन ऑर्टस चंडीगढ़ तथा अनेक साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से अनेक सम्मान व पुरस्कार मिले हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. कंवल नयन कपूर
जन्मतिथि : 9 अगस्त 1944
जन्म स्थान : रावलपिंडी (पश्चिम पाकिस्तान)
शिक्षा : बी.ए (ऑनर्स व संस्कृत), एमए(हिन्दी), पीएच.डी.
संप्रति : सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, एमएलएन महाविद्यालय यमुनानगर, लेखक, साहित्यकार

नेतृत्व कुशलता दिखाती 'महिला ग्राम पंचायत'

पुस्तक : महिला ग्राम पंचायत
लेखक : मधुकांत
मूल्य : 40 रुपये
प्रकाशक : नेशनल बुक ट्रस्ट

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

महिला ग्राम पंचायत मधुकांत का महिला केंद्रित नाटक है। इस नाटक के माध्यम से लेखक ने यह दिखाया है कि महिलाएं भी सही विजन, नीतियो और योजनाओं के जरिये गाँव के विकास के साथ साथ समान में सुरक्षित माहौल बना सकती है। गाँव की सत्ता संभालने के पहले दिन ही क्या-क्या सुविधाएं दी जानी हैं और उसके लिए क्या कदम उठाए जाने है, इस तैयारी के साथ महिला सरपंच आती है और सब सदस्यों को अवगत कराने के साथ जिम्मेदारी भी लगाती है। अपने फैसले सुनाने के बाद वह दूसरे सदस्यों से सुझाव मांगती है यह उसकी नेतृत्व कुशलता को दिखाता है। महिला सरंपच और पंचों के कार्य संभालने के साथ ही गाँव के विकास के लिए मिलने वाली और में भ्रष्टाचार और महिला सदस्यों के पतियों द्वारा कार्य किए जाने के कारण जो उनकी निष्क्रियता थी उसे भी खत्म करने का बीड़ा महिला पंचायत ने उठाया और उसे अंजाम तक पहुंचाया। इसके साथ ही समाज का सबसे ज्वलंत मुद्दा महिलाओं के प्रति अपराध का है। गांव के बलात्कार जैसे मामलों को भाईचारे की दुहाई देकर दबा दिया जाता है वहीं सरपंच कहती है चाहे मेरा कोई मेरा सगा हो कड़ी सजा दो यह इस बात का प्रतीक है कि वह न्याय और समाज में शांति की कितनी बडी पक्षधर है। महिला सरपंच गांव के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवद्ध दिखाई देती है। तभी तो वह गांव में वह शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ साथ ग्रामीणों को रक्तदान, आधुनिक खेती बेटियों की शिक्षा के तमाम प्रबंधों के अलावा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करती नजर आती है। एक तरह से वह अपने प्रयासों में सफल हो जाती है। गाँव के विकास के लिए अच्छे बजट का प्रावधान करवाली है और जो पहली पंचायत की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर मंत्री जी एक दिन गांव में आकर पूरा करने की मुहर लगाते हैं। इसके साथ हो एक लेखक एक बड़ा उदाहरण भी पेश करता है। जिस तरह पुरुष महिलाओं का दमन करते आएं हैं और उनको उनके राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कसे में बाधा बनते रहे हैं जब एक पंच कहती है कि अब हम उन पर राज करेंगे तो सरपंच का यह कहना कि नहीं औरत और मर्द एक गाड़ी के दो पहिये हैं तो यह उसकी विवेकशीलता को और दिखाता है कि उसके मन में पुरुषों की प्रति कुठा नहीं है। वह सबको साथ लेकर चलने का संदेश देती है। कुलमिलाकर लेखक अपने प्रयास और अपना संदेश समाज तक पहुंचाने में सफल रहता है।

खबर संक्षेप

इंस्पेक्टर बलवंत सिंह सेवानिवृत्त

नारनौल। हरियाणा पुलिस में कार्यरत गहली निवासी इंस्पेक्टर बलवंत सिंह पुत्र पहलाद सिंह विभाग में 38 वर्ष नौ मास का कार्यकाल पूरा करने के पश्चात मधुबन से सेवानिवृत्त हुए। इस उपलक्ष्य में सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के कर्मचारियों व ग्राम वासियों ने भाग लिया।

घर के सामने कूड़ा डालने पर मारपीट

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के एक गांव में घर के सामने कूड़ा डालकर मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने पर महिला की शिकायत पर पुलिस ने आधा दर्जन नामजद पर मामला दर्ज किया है। पवित्रा देवी ने बताया कि शनिवार को वह अपने घर पर अकेली थी।

जड़वा गोशाला में भागवत कथा कल से

सतनाली मंडी। खंड के गांव जड़वा के श्री बांके बिहारी गोशाला में चार से 10 मार्च तक श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार गोशाला परिसर में कथाचार्य रामानंद महाराज वृंदावन की ओर से संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार प्रातः पांच बजे प्रार्थना व प्रवचन किया जाएगा।

पार्क में स्ट्रीट लाइट के साथ सीसीटीवी से होगी निगरानी

25 लाख की लागत से एक एकड़ जमीन पर बनवाया हरा-भरा पार्क

- पार्क में बैंच सहित अन्य सुविधा, ग्रामीणों को सुबह-शाम सैर के लिए हुआ फायदा

विकास गोडवाल ▶▶| महेंद्रगढ़

बुजर्गों व बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए व सुबह के समय सैर आदि करने के लिए माजरा कला की पंचायत द्वारा गांव के बीच में करीब 25 लाख रुपये की लागत से एक एकड़ जमीन पर हरा-भरा व सुंदर पार्क का निर्माण करवाया हैं। पार्क में पंचायत द्वारा चोरी आदि घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए गए हैं। इसके अतिरिक्त युवाओं, बच्चों व बुजुर्गो के बैठने के लिए बैंच भी रखवाई गई हैं। इसके अतिरिक्त रात्रि को अंधेरा होने के कारण स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था की गई हैं। इसके अतिरिक्त युवाओं के सुबह-शाम सैर करने के लिए ट्रैक का भी निर्माण करवाया गया। पार्क में कई प्रकार के फूलों व छाया के लिए छायादार पौधे भी लगवाए गए हैं। युवाओं व बुजुर्गो के सुबह-शाम सैर करने के लिए पार्क में हरी-भरी घास भी उगाई गई हैं। ग्राम पंचायत ने गांव के लोगों को बेहतर माहौल देने के लिए एक बेहद सुंदर पार्क बनाया है। निकट के गांव के लोग पार्क को देखने के लिए आ रहे हैं।

महेंद्रगढ़। गांव माजरा कलां में बनवाया गया पार्क। फोटो : हरिभूमि

पहले रहती थी गंदगी, अब हुआ पार्क का निर्माण

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा जिस जगह पार्क का निर्माण करवाया गया हैं। यहां घरों से निकलने वाला कचरा डाला जाता था। ग्रामीणों ने बताया कि पार्क का निर्माण करवाए जाने से आसपास के लोगों के लिए सुबह-शाम पार्क में भ्रमण करने का मौका मिला है। इससे लोगो की फिटनेस बनी रहेगी और उनके स्वास्थ्य में भी सुधार आएगा। पार्क निर्माण से पूर्व लोगों को शुरूआत में ही गंदगी के ढेर का सामना करना पड़ रहा था जिसकी बदबू से आसपास के लोगों के बीमार होने का खतरा बना रहता था। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पार्क बनने से गांव की महिला पुरुष पार्क में सुबह शाम सैर करने आते हैं, जिससे गांव में भाईचारे को बढ़ावा मिल रहा है। गांव से लोगों का शहर में जाना भी कम हो गया है।

गांव में एक आधुनिक पार्क का निर्माण कराया है।

बता दें कि गांव माजरा कला की ग्राम पंचायत ने 25 लाख रुपये की लागत से एक एकड़ जमीन पर हरा-भरा व सुंदर पार्क का निर्माण करवाया हैं। गांव माजरा कला में करीब दो से तीन हजार की आबादी है और गांव में ज्यादातर अहीर जाति के साथ-साथ सभी बिरादरी रहती है। ग्राम पंचायत माजरा कला की ओर से गांव में पक्की गलियां, चौपालों में पंखे, शौचालय, गांव के चारो ओर स्ट्रीट लाइटें सहित अन्य सुविधाएं पहले ही मुहैया कराई हुई है। इसके अलावा गांव में सभी चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे व रोड पर पेड़-पौधे लगाए हुए हैं। गांव में सभी सुविधाएं होने के बाद गांव की पंचायत ने शहर की तर्ज पर गांव में एक पार्क बनाने का फैसला लिया। गांव के बीचों-बीच बने इस पार्क ने गांव में चार चांद लगा दिए हैं। पार्क का निर्माण एक एकड़ जमीन में कराया गया है, जिसपर पंचायत ने करीब 25 लाख रुपये खर्च कर दिए है।

गांव को बनाऊंगा निर्मल एवं स्वच्छः सरपंच

गांव के सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप यादव का कहना है कि गांव को सौंदर्यीकरण करने व भाईचारा बढ़ाने के लिए गांव में पार्क का निर्माण कराया गया है। पार्क का निर्माण एक एकड़ जमीन में करीब 25 लाख रुपये खर्च करके किया गया है। इस एकड़ जगह पर लोग पहले कचरा डालते थे। जिससे आसपास के लोग काफी परेशान थे। इस समस्या को देखते हुए यहां पर पार्क का निर्माण करवाया गया हैं। इसके अलावा गांव की मुख्य सड़क के दोनों साइड किनारों पर पेड़-पौधे लगाए गए हैं, ताकि उनका गांव भी स्वच्छ एवं सुंदर दिखे। गांव में सुंदरता एवं स्वच्छता को बनाए रखने के लिए ग्रामवासियों के सहयोग से अहम कदम उठाए जा रहे है। गांव माजरा कला स्वच्छ एवं सुंदर दिखे ये ही मेरा सपना है। स्वच्छता के कारण गांव का सुंदरीकरण बहुत अच्छा लगता है। गांव का निवासी शहर जाने की बजाय गांव में ही रहना पसंद करता है। पंचायत की सोच है कि गांव के लोगों को शहरों जैसी सुविधाएं मिल सकें।

मॉडल प्रतियोगिता में आरपीएस के प्रणव, ओजस व ध्रुव की टीम प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित- विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना, विषय पर वर्किंग मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए आरपीएस की टीम प्रथम स्थान प्राप्त किया है। टीम में शामिल प्रणव, ओजस तथा ध्रुव को इस उपलब्धि के लिए ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल देश का भविष्य है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी। सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों को रुचि लेकर आगे बढ़ना चाहिए। डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि आरपीएस बच्चों को उचित मंच के माध्यम से उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है। यहीं कारण है कि आज हर क्षेत्र में आरपीएस के बच्चे अव्वल भूमिका में है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि हकेंवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इंपावरिंग इंडियन यूथ फॉर ग्लोबल लीडरशिप इन साइंस एंड इनोवेशन फॉर विकसित भारत थीम पर आधारित कार्यक्रम में वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रणव, ओजस तथा ध्रुव की टीम ने प्रथम, पोस्टर मेकिंग में तन्नवी, अन्नु, गुंजन, भव्या हिंमाशी की टीम ने द्वितीय, हिंदी भाषण में किरण तृतीय, अंग्रेजी भाषण में प्रेरणा यादव, रक्षा द्वितीय, अंग्रेजी भाषण में वेदांशी और अंशु तृतीय रही। इसके अलावा भव्या व हिमांशी ने बेस्ट आउट आफ वेस्ट में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा कि देश की भावी पीढ़ी अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए मेहनत करें। विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका सबसे अहम है।

राधा कृष्ण की भक्ति में झूमे श्रद्धालु

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। फाल्गुन मास के पावन अवसर पर राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से 111वीं प्रभात फेरी का आयोजन रविवार को शिवाजी नगर से किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान हितेश वर्मा पुत्र सुभाष चंद वर्मा ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती कर श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया। इस दिव्य आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालु बच्चे, युवा, महिलाएं, बुजुर्ग गले में पटका डालकर व हाथों में निशान लिए हुए ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे नाम का कीर्तन करते हुए झूमते नजर आए। प्रभात फेरी शिवाजी नगर में परिक्रमा करते हुए प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में भक्तों ने उल्लासपूर्वक राधे राधे के जयकारे लगाए। जिससे शहर की गलियां वृंदावन मथुरा, गोवर्धन व बरसाना जैसी भक्तिमय नजर आने लगी। इस दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं ने प्रभात फेरी का फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। अंत में सनातन धर्म के जयकारों के साथ आरती की गई व सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

विज्ञान प्रदर्शनी में एसडी स्कूल अवव्ल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। विज्ञान प्रदर्शनी में श्रेष्ठ प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने पर सम्मानित करते विवि के कुलपति व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सेंट्रल यूनिवर्सिटी जाट पाली में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस समारोह में स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालयों से 200 से अधिक टीमों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में विज्ञान व नवाचार से विकसित भारत विषय पर अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति देते हुए एसडी विद्यालय खेड़ी की हर्षिता धनौंदा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार एसडी विद्यालय ककराला की छात्रा मधुर ककराला ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं वंडर ऑफ इनोवेशन की वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता में दीपांशु सुंदरह इशिका कनीना व पीयूष ककराला की टीम ने ई श्रमिक सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। यह प्रोजेक्ट श्रमिकों को डिजिटल रूप से संगठित करने और उनकी सुविधा के लिए विकसित किया गया। जिसे विशेषज्ञों ने नवाचार व उपयोगिता के आधार पर सराहा। विद्यार्थियों की इस सराहनीय उपलब्धि के पीछे शिक्षक जसबीर जांगिड़ का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा। जिनके सहयोग से इन छात्रों ने सफलता हासिल की। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव सिंह यादव, सीईओ आरएस यादव, प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

राहुल यादव बने भारतीय नमो संघ के जिला अध्यक्ष

- भारतीय नमो संघ हरियाणा प्रदेश की कार्यकारिणी गठित

मंडी अटेली। सरपंच राहुल यादव।

मंडी अटेली। भारतीय नमो संघ हरियाणा प्रदेश की कार्यकारिणी में अटेली क्षेत्र के गांव खैराना निवासी सरपंच राहुल यादव को भारतीय नमो संघ महेंद्रगढ़ जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राहुल यादव को यह पद राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार तोमर एवं समस्त कार्यकारिणी के विचार-विमर्श के बाद सौंपा गया। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र अटेली क्षेत्र के ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप डमाने ने कहा कि राहुल यादव का संगठन में सक्रिय योगदान रहा है। हमें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में महेंद्रगढ़ जिले में भारतीय नमो संघ और मजबूत होगा। राहुल यादव ने अपनी नियुक्ति पर आभार जताते हुए कहा कि वे संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और समाजहित में कार्य करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। वह लंबे समय से समाजसेवा में सक्रिय हैं और सरपंच के रूप में भी उन्होंने गांव के विकास के लिए कई कार्य किए हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

संगठन ने निकाली 128वीं प्रभात फेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते लोग। फोटो : हरिभूमि

प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को मोती से 128वीं प्रभात का आयोजन किया गया। मुख्य यजमान संजय सैनी ने ठाकुर जी व निशान पूजन करके प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। प्रभात फेरी समिति के संस्थापक घनश्याम गर्ग के नेतृत्व में आयोजित की गई। जिसमें संदीप गोयल, सतीश शर्मा, रश्मि गोयल, रजनी गर्ग, जया अग्रवाल ने राधा कृष्ण के धुन से प्रभात फेरी का शुभारंभ किया व सभी भक्तजन राधा नाम संकीर्तन करते हुए मुख्य यजमान के निवास स्थान मोती नगर से शुभारंभ होकर राजा गार्डन, सिंघाना रोड व विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः शुभारंभ स्थल पर पहुंचे। इससे पूर्व महेन्द्र सैनी व धर्म प्रेमी बंधुओं ने श्री राधा नाम संकीर्तन प्रभात फेरी का स्वागत पुष्प वर्षा व आरती करके किया। नवीन जैन व संजय सैनी ने बताया कि श्री राधा नाम लेने से मनुष्य 84 लाख योनियों के क्रमबंध से मुक्त होकर भगवान के श्री धाम में चला जाता है और उसकी मुक्ति हो जाती है। जोगेंद्र अग्रवाल ने ढोलक की थाप व नगाड़े, मंजीरे, ढप बजा करके राधा नाम की ऐसी अलग जगाई की लोग नाचने के लिए मजबूर हो गए। घरों की छत से देख रहे लोग नीचे उतरकर ठाकुर जी का स्वागत करने लगे।

मॉडर्न स्कूल भोजावास में छात्रवृत्ति परीक्षा का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। छात्रवृति परीक्षा में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गांव भोजावास स्थित मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में सत्र 2025-26 में दाखिले के लिए एक छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा कक्षा दूसरी से 12वीं तक के बच्चों के दाखिले के लिए रखी गई। इस परीक्षा मे विभिन्न गांवों के 1025 परीक्षार्थियों ने भाग लिया।

परीक्षा शांत माहौल व अनुशासनात्मक तरीके से संपन्न कराई गई। सभी विद्यार्थियों के बैठने व परीक्षा दिलवाने में स्टॉफ के सभी सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परीक्षा के समापन पर सभी विद्यार्थियों को उनके गंतव्य स्थान तक बसों के द्वारा सुचारु रूप से भेज दिया गया। इस परीक्षा के परिणाम के बारे में अभिभावकों को सूचना दे दी जाएगी। इस परीक्षा में मेरिट के आधार पर विद्यालय में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के आधार पर फीस में छट का प्रावधान है। परीक्षा के सफल संचालन पर मैनेजमेंट कमेटी व प्राचार्य द्वारा सभी स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद किया गया, जिन्होंने इस परीक्षा को सफलतापूर्वक करवाने में अपना योगदान दिया।

दिव्या कौशिक ने पाई यूजीसी नेट में सफलता

दिव्या कौशिक

कनीना। गांव रसूलपुर निवासी अधिवक्ता अनिल शर्मा की भतीजी दिव्या कौशिक ने यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र व परिजनों को नाम गौरवांवित किया है। इस बारे में अधिवक्ता अनिल शर्मा ने बताया कि दिव्या कौशिक ने अंग्रेजी विषय से दिसबर 2024 में परीक्षा दी थी। जिसका हाल ही में परिणाम जारी किया गया है। जिसमें उन्होंने सामान्य वर्ग श्रेणी में यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए क्वालीफाई किया है। उन्होंने केंद्रीय विवि जाट पाली से वर्ष 2024 में एमए अंग्रेजी विषय की परीक्षा भी उत्तीर्ण की थ

विद्यार्थियों को पशु चिकित्सा की दी जानकारी

- आरपीएस वेट्रनेरी कॉलेज बलाना में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस वेट्रनेरी कॉलेज बलाना में एनवीफ वेट्रनेरी फाउंडेशन के सहयोग दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हो गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए कॉलेज के रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव ने बताया कि उक्त कार्यशाला पशु शल्य चिकित्सा की जटिलता व निदान के बारे में थी, जिसे एनवीफ वेट्रनेरी फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए आरपीएस कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों के साथ साथ देश भर से वेट्रनेरी डॉक्टर शामिल हुए। गौरतलब है कि कार्यशाला में ट्रेनर के रूप में शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. चैड, जॉर्जिया विश्वविद्यालय, डॉ. फिलिप जज, आस्ट्रेलिया, डॉ. मोहन कुमार यूएसए, डॉ. उमेश करकरे मुंबई, डॉ. अथयापन, डॉ. लक्ष्मी, डॉ. जोसन व डॉ. ऋषि सूद आदि विश्वविख्यात पशु सर्जन मौजूद थे, जिनके मार्ग दर्शन में गहन शल्य चिकित्सा पर व्याख्यान हुआ तथा हैंड्स आन एक्सपीरियंस के माध्यम से छात्रों व शिक्षकों व अन्य प्रतिभागियों ने फायदा उठाया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्यातिथि के रूप में आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव मौजूद रहे। उन्होंने कार्यशाला में मौजूद सभी विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा आरपीएस वेट्रनेरी कॉलेज द्वारा पशु चिकित्सा के साथ साथ वेट्रनेरी एजुकेशन व रिसर्च के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासो के बारे में विस्तृत से प्रकाश डाला। कार्यशाला के अंतिम दिन विश्वविख्यात पशु चिकित्सा विशेषज्ञ यूएसए से आए डॉ. पीएस, मोहन कुमार, डॉ. चैड व डॉ. फिलिप ने एनवीफ वेट्रनेरी फाउंडेशन व आरपीएस कॉलेज द्वारा उक्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के बेहतरीन आयोजन के लिए बधाई दी तथा कॉलेज द्वारा एनिमल वेल्फेयर के लिए नैतिकता के साथ किए जा रहे प्रयासों के लिए बधाई दी। कार्यशाला के अंतिम दिन कॉलेज डीन डॉ. रामलाल भारद्वाज ने सभी विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

बाबा निहाल चंद सेवादल पटीकरा ने लगाया शिविर

न्यूरोथेरेपी शिविर में 150 मरीजों की निःशुल्क जांच

महेंद्रगढ़। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

कैंप में 114 मरीजों की जांच

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला में राहत ग्रुप की ओर से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ हवन के साथ पंडित भूपेंद्र सिंह आर्य प्रधान आर्य समाज एवं उप प्रधान यादव सभा ने किया। शिविर का खर्च पूर्व नगर पालिका के सचिव रोहताश सिंह ने अपने पौत्र अंकित कुमार पुत्र राजेश कुमार गांव नंगल हरनाथ के बीएआरसी भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर मुंबई में साइंटिस्ट ग्रुप ए के पद पर नियुक्ति होने की खुशी में वहन किया। कैंप में 114 मरीजों की आंखों कीं जांच की गई। डॉ. आरपी गिरी व डॉ. रामपाल ने 25 मरीजों को मोतियाबिंद आपरेशन के लिए चयन किया गया।

- मुख्य अतिथि माजरी धाम के महंत सुमित गिरी महाराज रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। शिविर में मरीजों की जांच करते डा. अशोक मीना व उपस्थित अतिथि।

बाबा निहाल चंद सेवादल पटीकरा व न्यूरो स्पाइन फिजियोथेरेपी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क न्यूरो फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। सेवा दल के संदीप यादव ने बताया कि रविवार को गांव पटीकरा के ठाकुर जी मंदिर में बाबा निहाल चंद सेवादल पटीकरा व न्यूरो स्पाइन फिजियोथेरेपी अस्पताल की ओर से निःशुल्क न्यूरो फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 150 मरीजों की जांच, इलाज न्यूरो व स्पाइन विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ डा. अशोक मीणा व उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माजरी धाम के महंत सुमित गिरी महाराज थे। अध्यक्षता संदीप यादव ने की। शिविर में विशिष्ट अतिथि प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुमित गिरी महाराज ने कहा कि ऐसे शिविर सेवा के बहुत सहज व सरल केंद्र होते हैं। जहां निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध रहती है। बाबा निहाल चंद सेवा दल की ओर से लगाया गया यह शिविर सेवा की भावना को सार्थक करता है।

विशिष्ठ अतिथि डा. संजय शर्मा ने कहा कि न्यूरो स्पाइन अस्पताल व सेवा दल ने इस कार्यक्रम ने सैकड़ों लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देकर जो पुण्य कार्य किया है, वह अनुपम उदाहरण है। डा. अशोक मीना ने बताया कि शिविर में जोड़ों का दर्द, सर्वाइकल, सायटिका, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, माइग्रेन संबंधी बीमारियों के विषय में परामर्श के साथ इलाज भी किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान जीवनशैली में इस तरह की बीमारियां गम्भीर रूप ले रही है और इनका इलाज फिजियोथेरेपी से सम्भव है। शिविर में इलाज के लिए विशेषकर महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

शिविर प्रातः 10 बजे से दोपहर दो बजे तक लगाया गया। जिसमें निःशुल्क न्यूरोथेरेपी की सेवाएं उपलब्ध रही। कैम्प में डा. अशोक मीना के अतिरिक्त रमन कुमार सिंह, एकता कुमारी, सचिन कुमार, जयराम मीना ने सेवाएं दी।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने चलाया सफाई अभियान

सतनाली मंडी। एनएसएस शिविर के दौरान सफाई करते स्वयंसेवक।

सतनाली मंडी। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनएसएस की दोनों यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में आदर्श गोशाला इलाका सतनाली में चल रहे एनएसएस शिविर के दूसरे दिन सफाई अभियान चलाया गया। एनएसएस अधिकारी डा. कमला यादव व डा. हरिओम ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ओमप्रकाश फौजी मुख्य अतिथि तथा गोशाला प्रधान प्रभाष मित्तल, उपप्रधान दीवान सिंह शेखावत, अनिल ताराचंद श्यामपुरिया, कुलदीप तंवर विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश फौजी ने कहा कि एनएसएस स्वयसेवकों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ नेतृत्व के गुण विकास होता है। कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने गोशाला परिसर व शिव मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया।

खबर संक्षेप

नारनौल। मोहिंद्र कुमार को सम्मानित करते डीएम यादव व स्टाफ सदस्य।

जिला उपभोक्ताः सहायक रजिस्ट्रार सेवानिवृत्त

नारनौल। जिला उपभोक्ता न्यायालय में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत मोहिंद्र कुमार सेवानिवृत्त हो गए। मोहिंद्र कुमार 1987 में न्यायालय में नाजिर के पद पर भर्ती हुए थे। उनके अच्छे आचरण के चलते कार्यक्षेत्र में उनको हर कोई पसंद करते थे। उनका सेवानिवृत्ति कार्यक्रम आयोजित कर कार्यालय के सदस्यों ने सम्मान किया। उनकी सेवाकाल के दौरान कार्य हमेशा बेदाग व साफ छवि का रहा।

अटाली में किसान के खेत से तीन सोलर प्लेट चोरी

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव अटाली में एक किसान के खेत से तीन प्लेट चोरी हो गए, जबकि एक प्लेट क्षतिग्रस्त कर दी। अटेली पुलिस थाने में पीड़ित किसान ने शिकायत प्रेषित की है। पीड़ित किसान कुलदीप सिंह ने बताया कि एक मार्च की रात्रि को उसके ट्यूबवेल स्थित खेतों चोरों ने तीन प्लेट चोरी हो गए तथा एक प्लेट क्षतिग्रस्त कर दी। उसने अपने खेत को एक साल के लिए हनुमान सिंह को बंटाई पर दिया हुआ है। पीड़ित किसान ने बताया कि सोलर प्लेट की चोरी की घटना व क्षतिग्रस्त होने से करीब 30 हजार का नुकसान हुआ है।

भूमिहीन मजदूरों को मुआवजा देने की मांग

नारनौल। सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन के प्रधान कामरेड सुभाषचंद्र एडवोकेट ने कहा कि दो दिन पूर्व हरियाणा में हुई बारिश व ओलावृष्टि के कारण सरसों, गेहूं व सब्जियों में काफी नुकसान हो गया। जिसके कारण भूमिहीन मजदूरों को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि ओलावृष्टि के कारण फसल व सब्जी की खेती खराब होने के कारण मजदूरी नहीं मिलेगी। जिस वजह से भूमिहीन मजदूरों को आर्थिक नुकसान होगा। मजदूरों बच्चों की पढ़ाई लिखाई व विवाह में परेशानी उठानी पड़ेगी।

केवल एक या दो पश्चिमी विक्षोभ से हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना

मार्च महीने में सक्रिय होंगे पांच से छह पश्चिमी विक्षोभ, तापमान में आएगा उतार-चढ़ाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मार्च महीने में भी पांच से छह पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे। जिससे मौसम में बदलाव व तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। केवल एक या दो पश्चिमी विक्षोभ से हल्की बूंदाबांदी व हल्की बारिश की संभावना है। साथ ही पहले पखवाड़े में तापमान में उतार-चढ़ाव, साथ ही पहले सप्ताह में तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी तथा तेज धरातलीय हवाएं चलेंगी। इसके बाद दूसरे पखवाड़े में तापमान में बढ़ोतरी होगी और धीरे-धीरे गर्मी अपने रंग दिखाएगी। दिन व रात के तापमान सामान्य से अधिक बनेंगे। ऐसे में दूसरे पखवाड़े में दिन का तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस से 40.0 डिग्री सेल्सियस के बीच, जबकि रात का तापमान 20.0 से पार हो जाएगा। मार्च महीने में सामान्य से कम बारिश रहेंगी।

पश्चिमी मौसम प्रणाली हल्की बारिश, बूंदाबांदी व ओलावृष्टि देकर रविवार को सम्पूर्ण इलाके से आगे निकल गई। वहीं हवाओं की दिशा एक बार फिर से बदलने व तेज धरातलीय हवाएं चलने से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। सोमवार को एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से तीन व चार मार्च को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर हल्की बारिश व बर्फबारी तथा मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में केवल पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार में छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना है, जबकि शेष हरियाणा एनसीआर में कहीं कहीं आंशिक बादल वाही व तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा, लेकिन चार मार्च को यह मौसम प्रणाली भी सम्पूर्ण इलाके से आगे निकल जाएगी और सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर में उत्तरी पश्चिमी हवाएं व दिन में तेज गति से धरातलीय हवाएं चलने से सम्पूर्ण इलाके में दिन और रात के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस से 14.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि दिन का तापमान 25.5 डिग्री से 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का रात का तापमान क्रमशः 13.0 डिग्री सेल्सियस व 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

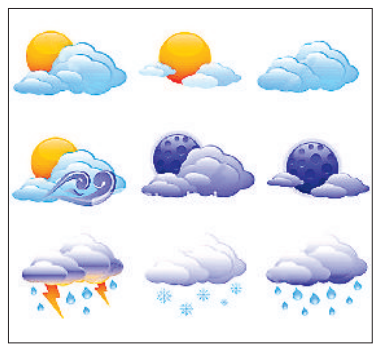

आज सक्रिय होगा नया पश्चिमी विक्षोभ

मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्र मोहन ने बताया कि तीन मार्च को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण इलाके में फिर से मौसम में बदलाव व तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। इसके बाद चार मार्च से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। यानी मार्च महीने के पहले पखवाड़े में लगातार मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा तथा दूसरे पखवाड़े में सम्पूर्ण इलाके में तापमान में बढ़ोतरी की संभावना बन रही है।

संकट के समय सरकार किसानों के साथ : विधायक ओमप्रकाश यादव

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि भाजपा शासन काल में किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शुक्रवार देर सायं क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि व बारिश से किसानों की फसल के नुकसान की भरपाई के आदेश दे दिए हैं। सोमवार से किसानों के नुकसान बारे में जानकारी अपलोड करने के लिए पोर्टल खोल दिया जाएगा। जिसके बाद किसान अपनी फसल के हुए नुकसान की जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर सकेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में आदेश दे दिए हैं। यादव ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत भी महेंद्रगढ़ जिले में ओलावृष्टि से हुए नुकसान का दूरभाष पर किसानों से जानकारी लेकर आंकलन किया है और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को हुए नुकसान से अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आश्वस्त किया है कि किसानों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर नहीं होने दी जाएगी। संकट के समय में किसान अपने आपको अकेला न समझे। भाजपा सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं एक किसान के पुत्र हैं वे किसानों के हित की बातों को भली भाती जानते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी महेंद्रगढ़ जिले में हुए नुकसान की गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा दिलवाया था। उसी भांति अब भी किसानों को मुआवजा दिलवाया जाएगा।

विधायक ओम प्रकाश यादव

नपा का ध्यान नहीं, एक साल बीतने के बाद भी जिम्मेदारों ने नहीं कराई एफआईआर

स्टेट हाईवे पर लगे दो सिटी बस क्यू शैल्टर हुए गायब, तीन हो रहे हैं कबाड़

- दो वर्ष पहले महेंद्रगढ़ में करीब 45 लाख रुपये की लागत से बने थे पांच सिटी बस क्यू सैल्टर
- सर्दी, गर्मी, बरसात से बचाव व शहर की सुन्दरता के लिए स्थापित किए गए थे बस क्यू सैल्टर

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नगर पालिका की ओर से बस स्टैंड के समीप लगाया गया बस क्यू शैल्टर।

महेंद्रगढ़। बस क्यू शैल्टर में टूटी पड़ी कुर्सी। फोटो : हरिभूमि

नगरपालिका द्वारा यात्रियों को सर्दी, गर्मी, बरसात से बचाने व शहर की सुन्दरता के लिए लाखों की रुपये की लागत से लगाए गए बस क्यू शैल्टर देखरेख के अभाव में कबाड़ हो चुके हैं। वहीं दो बस क्यू सेल्टर गायब हो चुके हैं, लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी नगर पालिका के अधिकारियों की ओर से चोरी की शिकायत तक नहीं दी गई है।

बता दें कि नगर पालिका की ओर से शहर के बस स्टैंड के बाहर, राव तुलाराम चौक, महिला कॉलेज के पास, न्यायिक परिसर के पास, कैंची टी प्वाइंट पर पांच स्थानों पर 45 लाख रुपये खर्च करके बस क्यू शैल्टर की सुविधा उपलब्ध करवाई थी। इस सुविधा के पीछे नगरपालिका द्वारा यात्रियों, विद्यार्थियों को सर्दी, गर्मी, बरसात से बचाना व शहर की सुन्दरता में वृद्धि करना था।

इससे न केवल आमजन बल्कि छात्र-छात्राओं को भी निर्धारित स्थान पर बसें मिलने में सुविधाएं मिल रही थी। स्टेट हाइवे को फोरलेन करने को लेकर नगरपालिका द्वारा बनाए गए शहर के मुख्य राव तुलाराम चौक व एक अन्य सिटी बस क्यू सैल्टर को हटा दिया गया था तथा इसी मार्ग पर अन्य बस क्यू सेल्टर भी रोड के हिस्से में व किनारे आने के कारण उनमें तोड़फोड़ की गई, जो अब रिपेयर मांग रहे हैं तथा कुछ तो हादसों का कारण भी बन रहे हैं, जिस ओर नगरपालिका प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। बताया जा रहा है कि उखाड़े गए बस क्यू सेल्टर का सामान ही गायब है। सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने नपा से हटाए गए बस क्यू सेल्टर को पुनः स्थापित करवाने तथा शेष को रिपेयर करवाकर वहां सुरक्षा के लिए पाइप लगाने की मांग की है।

फोरलेन बनाने के चलते आई परेशानियां : दो वर्ष पहले लगाए गए बस क्यू सेल्टर मार्ग के आगामी भविष्य को देखते हुए स्थापित नहीं किए गए जिस कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। रोड निर्माण के चलते शहर के व्यस्तम राव तुलाराम चौक स्थित बस क्यू सेल्टर को तो हटाना ही पड़ा। इसके अलावा न्यायिक परिसर के पास बना बस क्यू सेल्टर तो करीब आधा रोड के बीच आ गया तथा अन्य बस क्यू सेल्टर भी रोड के पूरी तरह से किनारे पर आ गए हैं, जिससे यहां हादसों का अंदेशा भी बना रहता है।

रिपेयर व साफ-सफाई की आवश्यकता

नगरपालिका दो वर्ष पहले स्थापित किए गए बस क्यू सेल्टर को शायद भूल चुकी है। शायद ही नपा ने इनकी साफ-सफाई को लेकर कोई कदम उठाए हो। साफ-सफाई नहीं होने के कारण गंदगी युक्त बस स्टैंड के पास बने सेल्टर के पीछे तो लोग टायलेट भी करने लगे हैं। इसके अलावा स्टेट हाइवे निर्माण के चलते जिन बस क्यू सेल्टरों को क्षति पहुंची उनकी वहां पर रिपेयर करना आवश्यक हो गया है ताकि आमजन व विद्यार्थियों को सुविधा का लाभ मिल सके।

जल्द कराई जाएंगी एफआईआर

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी का कहना है कि स्टेट हाइवे को फोर लाइन करते समय उखाड़े गए दो बस क्यू सेल्टर गायब हैं। इन्हें किसने उखाड़ा, कहां रखे गए हैं, इस बारे में पालिका के पास कोई जानकारी नहीं हैं। इस विषय में पालिका एफआईआर करवाने जा रही है। लगे हुए बस क्यू सेल्टरों में जहां रिपेयर होनी है, उनका हाउस की बैठक में प्रस्ताव कर काम शीघ्र पूरा करवाया जाएगा।

हाईवे के किनारे कूड़ा-कचरा डालने पर प्रशासन सख्त

नांगल चौधरी। ढाणी बाठोठा के पास नेशनल हाईवे के किनारे कूड़ा-करकट डालने पर जिला प्रशासन ने कड़ा संज्ञान लिया है। एसडीएम रमित यादव ने पंचायत को पत्र भेजकर स्वच्छता पर फोकस करने की हिदायत दी है। सार्वजनिक स्थल व सड़क के आसपास कचरा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

आपको बता दें कि नेशनल हाईवे 148-बी के किनारे ढाणी बाठोठा गांव है। गांव के कुछ लोग बीते कई सालों से सड़क के किनारे कूड़ा-करकट डाल रहे हैं। जिससे गांव की सुंदरता प्रभावित होने के साथ अतिक्रमण को बढ़ावा मिल रहा है। थोड़ी बारिश होते ही कचरा सड़ने लगता है। जिससे ग्रामीणों को प्रदूषित वातावरण में सांस लेना पड़ता है। शिकायत मिलने पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने कचरे को साफ कराया था तथा संबंधित लोगों को सफाई बनाए रखने की हिदायत दी थी। इसके बावजूद सड़क के दोनों तरफ गंदगी के ढेर लगे होने की शिकायत मिलने पर एसडीएम रमित यादव ने पंचायत को पत्र भेजा है। जिसमें सरपंच को गांव में मुनादी करवाकर सड़क के किनारे कूड़ा डालना बंद कराने की हिदायत दी है। इसके बावजूद कोई ग्रामीण गंदगी फैलाता है तो उसके खिलाफ पंचायत या प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एक मिनट में खोल देगा तेरी किस्मत का ताला भजन पर झूमे श्रद्धालु

नारनौल। श्रीश्याम बाबा का जागरण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल की ओर से बाबा श्यामजी का जागरण मोहल्ला फ्रांसखाना रामू हलवाई चौक के पास किया गया। जिसमें इत्र वर्षा, अलौकिक दरबार, छप्पन भोग, अखंड ज्योत आकर्षण का केंद्र रहा। पंडित शुभम शर्मा ने सुभाष चंद्र, राजेश सोनी, ज्ञानचंद सोनी, मोहन सोनी, विनोद कुमार, हर्ष सोनी से सपरिवार बाबा श्याम की ज्योति प्रज्ज्वलित करवाकर संकीर्तन का शुभारंभ किया। साहिल म्यूजिकल ग्रुप ने गणेश वंदना की। भजन संध्या में भजन गायक कलाकारों ने बाबा श्यामजी के भजनों का गुणगान किया। शुभम सोनी ने बताया कि जागरण में प्रीति अग्रवाल ने साथी हमारा कौन बनेगा, कृष्ण शर्मा ने मतलब की इस दुनिया से मुझको तो नफरत है, वेदप्रकाश सैनी ने एक मिनट मैं खोल देगा तेरी किस्मत का ताला खाटू में बैठा शीश का दानी, अनिल लक्खा ने मेले में मिलेंगो हमारा सांवरियों, गलती तेरी है सरकार फागण दिखा दियो आदि भजनों से सभी को मनमुग्ध कर दिया। इस मौके पर राजेश कुमार सोनी, ज्ञानचंद सोनी, मोहनलाल सोनी, शुभम सोनी, पूर्व भाजपा प्रवक्ता सुरेंद्र जैन, विनोद सोनी, हर्ष सोनी, राजीव शर्मा, जोगिंद्र शर्मा, दयानंद सैनी, अरविंद कालू, सोनू शर्मा, आशु शर्मा, वेदप्रकाश सोनी, बॉबी सोनी, नकुल, सानू सोनी, कर्दम, मयूर, निक्की, हैप्पी, नन्नू, गोलू आदि मौजूद थे।

नकल रोकने को मुख्य सचिव ने डीसी-एसपी से की बात

नारनौल। वीडियो कांफ्रेंसिंग में मौजूद डीसी डा. विवेक भारती।

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि जिला में चल रही परीक्षाओं को पूर्णतया नकल रहित संपन्न करवाया जाएगा। अगर कोई भी नागरिक नकल करवाने की कोशिश करता पाया जाए तो उसके खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जाए। डीसी रविवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ नकल रोको अभियान के तहत हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद अधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला में प्रत्येक केंद्र पर कड़ी निगरानी रखी जाए। छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी सूरत में खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे परीक्षा के दौरान लगातार फील्ड में रहें तथा यह सुनिश्चित करें कि जिला में कहीं भी नकल ना हो। परीक्षाओं की सुचिता बरकरार रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस मामले में हरियाणा सरकार बहुत ही सख्त है। अगर कोई भी कर्मचारी इसमें संलिप्त मिलता है तो उसे तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में अन्य भी परीक्षाएं होनी है। ऐसे में अधिकारी पूरी तरह से सतर्क रहकर कार्य करें। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, नगराधीश मंजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कोई कर्मचारी इस मामले में ढिलाई बरतेगा तो तुरंत होगा निलंबित

गोपाल गोशाला में लगाई गोवंश के लिए सवामणी

नारनौल। गोवंश के लिए सवामणी लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला में गो पूजन कर सवामणी का आयोजन किया गया। संस्था के संजय अग्रवाल ने बताया कि हिंदू धर्म में गाय को मां के समान माना गया है। जिनकी सेवा करने से व्यक्ति को सुख समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि पुराणों के अनुसार गाय के शरीर में तीनों लोक के देवी देवता निवास करते हैं। यही कारण है कि भगवान श्रीकृष्ण को गाय से बहुत ज्यादा लगाव था। मान्यता है कि जिस स्थान पर गाय रहती है, वहां नकारात्मक ऊर्जा फटक भी नहीं पाती है और उस स्थान के सभी दोष दूर हो जाते हैं। सनातन परंपरा में गाय से जुड़ी सभी चीजें जैसे दूध, दही, घी, गोमूत्र, गोबर आदि का पूजा के लिए प्रयोग अत्यंत ही शुभ माना गया है। मुख्य यजमान महेश भालोठिया, मंजू भालोठिया, कृष्ण गुप्ता, कुमुद गुप्ता ने श्री गणेश जी, नवग्रह सहित सभी देवी देवताओं का विधिविधान से गो पूजन किया। इसके उपरांत गोवंश को हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई गई। इस मौके पर सचिव सुरेंद्र गोयल, विनोद सोनी, कृष्ण गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, प्रदीप संघी, संजय अग्रवाल, सुरेश शर्मा, सुरेन्द्र गोयल, प्रदीप संघी, संजय सैनी, कृष्ण गुप्ता, महेश भालोठिया, राकेश बंसल, विनोद सर्राफ, संजय सैनी, मंजू भालोठिया, मोनिका शर्मा, मंजू शर्मा, रेखा संघी, लीलावती देवी, काजल महता, उन्नति, पूर्वी, लक्षिका शर्मा, देवांशी शर्मा आदि मौजूद थे।

इनेलो चलाएगी जनसम्पर्क अभियानः रणबीर मंदोला

नारनौल। बैठक मौजूद इनेलो कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। इंडियन नेशनल लोकदल मार्च महीने में चारों विधानसभाओं में जनसम्पर्क अभियान चलाएगा। नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में जिला प्रभारी पूर्व विधायक रणबीर मंदोला ने कहा कि इसी महीने में पूरी जिला कार्यकारिणी हलके वाइज टीम बनाकर पार्टी की नीतियों को जन जन तक पंहुचाकर गांव गांव में जनसम्पर्क अभियान चलाया जाएगी। जनसम्पर्क अभियान चलाकर नए लोगों को पार्टी से जोड़ने के साथ साथ युवाओं पर विशेष ध्यान देकर पार्टी से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी कारण पार्टी छोड़कर गए पुराने कार्यकर्ताओं से सम्पर्क कर वापस पार्टी में लाने का आग्रह किया, क्योंकि उन सभी का मन व विचार इनेलो की विचारधारा साथ जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही संगठन में विस्तार कर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारी दी जाएगी। बैठक में ओलावृष्टि से हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की व सरकार से 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की। इस मौके पर सतबीर बडेसरा, जसबीर ढिल्लो, छोटेलाल गहली, हरिराम सैनी, बल्ली शेखावत, नवनीत ढिल्लो, वेदप्रकाश नम्बरदार, सत्यनारायण गुप्ता, अमर सिंह जांगड़ा, कर्णसिंह यादव, कृष्ण पाली, अभय सिंह यादव, बिल्लू यादव चेयरमैन, सतपाल छिलरो, देशराज यादव, रामकिशन यादव, सतपाल उन्हाणी, ईश्वर सिंह लम्बोरा, ज्ञानेश्वर निम्बल, जागेराम पहलवान, इंद्रलाल अग्रवाल, सुरेश बापड़ोली, बिरेंद्र छिलरो, भरपूर सिंह, सत्यनारायण सैनी, मुकेश नम्बरदार, भूपसिंह दलीप सिंह, रणधीर सिंह आदि मौजूद थे।

नांगल चौधरी कॉलेज में संपन्न हुई खेलकूद प्रतियोगिता

पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक व खेलकूद में लें भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय नांगल चौधरी के परिसर में चल रही दो दिवसीय सातवीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता महाविद्यालय की प्राचार्य डा. अनीता तंवर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता के मुख्यातिथि नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार रहे। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक व खेलकूद कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यातिथि ने कहा कि खेलों से हमारा शारीरिक व मानसिक विकास होता है। इस मौके पर शारीरिक शिक्षक हंसराज ने खेलकूद प्रतियोगिता को बहुत ही सुनियोजित ढंग से संपन्न करवाया। कार्यक्रम का मंच संचालन संतोष यादव व ममता बायला ने संयुक्त रूप से किया। निर्णायक मंडल में सरोज बाला, रणवीर, रमन, डा. हरनाम सिंह, डा. अनुजा, डा. ममता यादव शामिल थे। स्पोर्ट्स इंचार्ज डा. सुशीला यादव ने इस प्रतियोगिता के परिणाम के बारे में जानकारी देते हुए कि 1500 मीटर रेस में वंदना प्रथम, कविता द्वितीय तथा नेहा तृतीय रही। इसी प्रकार लांग जंप में कविता प्रथम, पायल द्वितीय एवं खुशी तृतीय रही। जैवलिन थ्रो में विजेता प्रथम, मनीषा द्वितीय तथा खुशी तृतीय रही। नींबू चम्मच दौड़ में मनीना प्रथम, खुशी द्वितीय एवं वंदना तृतीय रही।

विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए

मुख्यातिथि ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही विजेता प्रतिभागियों को क्रमशः 500 300 व 200 रुपये का नकद पुरुस्कार व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में बेस्ट एथलीट रही विजेता प्रतिभागी कविता बीएससी तृतीय वर्ष को प्राचार्य डा. अनीता तंवर द्वारा 1500 रुपये तथा महाविद्यालय परिवार की तरफ से 1500 रुपये का नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डा. अखिलेश कुमार, डा. मनोज कुमार, डा. हरनाम सिंह, कुलदीप समेत स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

आस्था से पूजा करने पर मनोकामनाएं होंगी पूर्ण

- शिविर में सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने पहुंचकर बाबा का लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। शिविर का शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गांव नांगल सिरोही में पावर हाउस स्थित शिव मंदिर में 8 दिवसीय श्री श्याम शिविर लगाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद संजय यादव के बड़े भाई ओमप्रकाश यादव व उनके भतीजे सुरेंद्र यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता शिविर के प्रधान प्रमोद यादव व सचिव प्रदीप कुमार द्वारा की गई। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि ओमप्रकाश यादव व उनके भतीजे सुरेंद्र यादव द्वारा श्री श्याम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। ओमप्रकाश यादव व उनके भतीजे सुरेंद्र यादव ने कहा कि श्री खाटू श्याम का मेला फागुन महीने में शुरू होकर होली पर्व तक चलता है। उन्होंने कहा कि खाटू श्याम जी को तीन बाण धारी, हारे का सहारा और लखदातार जैसे कई नामों से जाना जाता है। साथ ही उन्हें भगवान कृष्ण का कलयुगी अवतार भी माना गया है। भक्त यदि सच्चे भाव से खाटूश्याम का नाम उच्चारण करता है, तो उसका उद्धार संभव है। यदि भक्त सच्ची आस्था, प्रेम-भाव से खाटू श्याम की पूजा-अर्चना करता है,तो मनोकामनाएं पूर्ण होती है।